UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 01 | January – March 2018

यौन शिक्षा के प्रति मेरठ जनपद के पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

डा0 प्रकाश नारायण तिवारी
विभागाध्यक्ष (बी0एड0)
वैदिक महाविद्यालय
दिबियापुर, औरेया (उ0 प्र0)

सारांश

Keywords: यौन शिक्षा, अभिवृत्ति आर्थिक स्तर, पुरूष एवं महिला अभिभावक

भारतवर्ष में यौन शब्द के साथ ही छिपाव जुड़ा हुआ है। ''सेक्स' शब्द का प्रयोग सार्वजनिक रूप में होने पर विस्फोट की स्थिति आ जाती है। सम्प्रत्ति विद्यालयी पाठ्यक्रम एव विद्यालयी प्रणाली में यौन शिक्षा में महत्व देने की अत्यन्त आवश्यकता है। भारीय माता–पिता बच्चों के मस्तिष्क में उपज रहे यौन सम्बन्धी प्रश्नों एवं भ्रान्तियों का निराकरण करने में संकोच एवं शर्म की अनुभूति करते हैं तथा निरूत्साही प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं, जबकि यौन शिक्षा (Sex Education) प्रदान करने में अभिभावकों की अहम् भूमिका होती है। यदि अभिभावक बच्चों को सैक्स सम्बन्धी सही जानकारी नहीं देंगें तो संभवतः ऐसा भी हो सकता है कि उनके बच्चे प्रतिबन्धित एवं गलत साधनों द्वारा यौन सम्बन्धी अपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करें जो उनके लिए खतरनाक भी हो सकता है। 'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य संघ' (National Family Health Association) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 15–19 आयु वर्ग की लगभग 12 प्रतिशत लड़कियाँ माँ बन जाती है। इसका कारण है, यौन शिक्षा का अभाव। इस विषय पर शोध कार्यो की जितनी आवश्यकता है उसकी अपेक्षा शोध की संख्या कम है इसलिए शोधकर्त्री ने इस विषय का चयन किया। प्रस्तुत अध्ययन में यौन शिक्षा के प्रति आर्थिक स्तर (उच्च तथा निम्न) के आधार पर पुरूष तथा महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। तद्हतु 60 पुरूष अभिभावकों (30 उच्च + 30 निम्न) तथा 60 महिला अभिभावकों (30 उच्च + 30 निम्न) का चयन न्यादर्श हेतु किया। अभिभावकों की अभिवृत्ति के स्तर को मानकीकृत परीक्षण द्वारा ज्ञात किया गया तथा तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान तथा X^2 का प्रयोग किया गया। संकलित आँकड़ों के विश्लेषण से यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर के आधार पर सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ जबकि यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर के आधार

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 01 | January – March 2018

पर सार्थक अन्तर प्राप्त नही हुआ। इसके अतिरिक्त यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर के आधार पर तुलना करने का सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ।

(1) भूमिका–(Introduction) भारतवर्ष में यौन शब्द के साथ ही छिपाव जुड़ा हुआ है। 'सैक्स' शब्द का प्रयोग सार्वजनिक होने पर विस्फोट की स्थिति आ जाती है। सम्प्रति विद्यालयी पाठ्यक्रम एवं विद्यालयी प्रणाली में यौन शिक्षा को महत्व देने की उत्यन्त आवश्यकता है। भारतीय भाता–पिता बच्चों के मस्तिष्क में उपज रहे यौन सम्बन्धी प्रश्नों एवं भ्रान्तियों का निराकरण करने में संकोच एवं शर्म की अनुभूति करते हैं तथा निरूत्साही प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं। यही कारण है कि हमारे देश में यौन सम्बन्धी अपराध निरन्तर प्रकाश में आ रहे हैं तथा इन अपराधों के पीछे छिपे कारणों को जानना भी अत्यन्त आवश्यक है। यह न सिर्फ स्वास्थ्य मंत्रालय तथा कानून एवं रक्षा विभाग बल्कि हम सभी को सचेत करने वाली परिस्थिति है।

यदि अभिभावक बच्चों को सैक्स सम्बन्धी सही जानकारी नहीं देंगें तो संभवतः ऐसा भी हो सकता है कि उनके बच्चे प्रतिबन्धित एवं गलत साधनो द्वारा यौन सम्बन्धी अपूर्ण ज्ञान करने का प्रयास करें जो उनके लिए खतरनाक भी हो सकता है। वर्तमान में इसका सर्वाधिक प्रचलित साधन एवं माध्यम 'इन्टरनेट' है। आज का युवा वर्ग इंटरनेट के माध्यम से सैक्स सम्बन्धी गलत सूचनाएँ ग्रहण कर रहा है जो असुरक्षित यौन क्रियाओं को बढ़ावा दे रहा है।

'राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य संघ' (National Family Health Association) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में 15–19 आयु वर्ग की लगभग 12% लड़किया माँ बन जाती हैं। आखिर ऐसा क्यों? इसका मूल कारण है यौन शिक्षा का अभाव। भारतीय शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत यौन शिक्षा की स्थिति अत्यन्त दयनीय है। जहाँ भारतीय यौन शब्द के प्रयोग को ही विस्फोट मानते है वही 'आस्ट्रिया ' (Austria) में विश्व का प्रथम यौन/सैक्स विद्यालय (Sex School) खोला गया है जहाँ निर्धारित आयु वर्ग के बालक/बालिकाओं का पर्याप्त सैक्स शिक्षा प्रदान की जाती है। 'यल्वा मारिया 'थाम्पसन' (Ylva-Maria Thompson) वह व्यक्ति थे जिन्होंने युवावर्ग को 'सैक्स शिक्षा' प्रदान करने हेतु विश्य का प्रथम 'अन्तर्राष्ट्रीय विद्यालय' स्थापित किया ।

भारतवर्ष में यौन शिक्षा सम्बन्धी शोध कार्यो की जितनी आवश्यकता है इसकी अपेक्षा शोध की संख्या कम है। बेवर (2002) ने विद्यालयों में यौन शिक्षा प्रदान करने के सम्बन्ध में अभिभावकों की सकारात्मक अभिवृत्ति पायी। ओगनजिमी (2006) के अनुसार विद्यार्थी एवं अभिभावक विद्यालयी पाठ्यक्रम में यौन शिक्षा रखने के पक्षधर थे। एनगड़ी (2011) ने पाया कि माताएँ अपनी किशोर बालिकाओं से यौन

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 01 | January – March 2018

शिक्षा के सम्बन्ध में चर्चा नहीं करना चाहती। बेन्जेंकेन (2011) के अनुसार मुम्बई के जूनियर कॉलेज के विद्यार्थियों ने विद्यालयी पाठ्यक्रम में यौन शिक्षा के महत्व को स्वीकार किया। वशिष्ठ एवं राजश्री (2012) ने उच्च माध्यमिक स्तर पर अभिभावकों एवं शिक्षको की यौन शिक्षा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति पायी। ई0 (2013) को शिक्षकों,विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का यौन शिक्षा के प्रति एक समान अर्थात् सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। वेन्युनेई (2014) को माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों का यौन सम्बन्धी व्यवहार एवं शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। महाजन एवं शर्मा (2015) के अनुसार महिला भिभावक अपनी बेटियों से यौन शिक्षा के सम्बन्ध में चर्चा नहीं करना चाहतीं, क्योंकि ये एक शर्मनाक विषय है।

2. अध्ययन के उद्देश्य(objectives of the study):

प्रस्तावित अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार निर्धारित किए गए–

1. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
2. यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।
3. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन।

3. शोध परिकल्पना(Research Hypothesis):

परिकल्पना अनुसंधान प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है। प्रस्तुत शोध हेतु परिकल्पनाओं का निर्धारण इस प्रकार किया गया–

1. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
2. यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
3. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर आधारित तुलना में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

4. प्रतिदर्श (Sample):

प्रस्तुत शोध में मेरठ जनपद के 60 पुरूष अभिभावक तथा 60 महिला अभिभावक कुल 120 अभिभावकों पर आधारित था। अभिभावकों का चयन 'यादृच्छकी न्यादर्श चयन' विधि द्वारा किया गया। अभिवृत्ति मापन हेतु चयनित पुरूष अभिभावकों की संख्या एवं वर्गीकरण सारणी–1 (अ) में प्रस्तुत है–

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 01 | January – March 2018

सारणी–1 (अ)

अभिवृत्ति मापन हेतु पुरूष अभिभावकों का वर्गीकरण

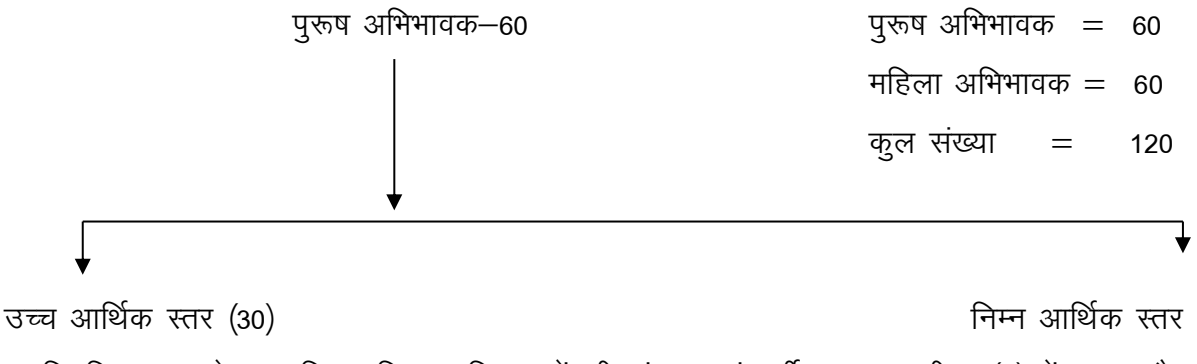

अभिवृत्ति मापन हेतु चयनित महिला अभिभावकों की संख्या एवं वर्गीकरण सारणी 1 (ब) में प्रस्तुत है–

सारणी–1 (ब)

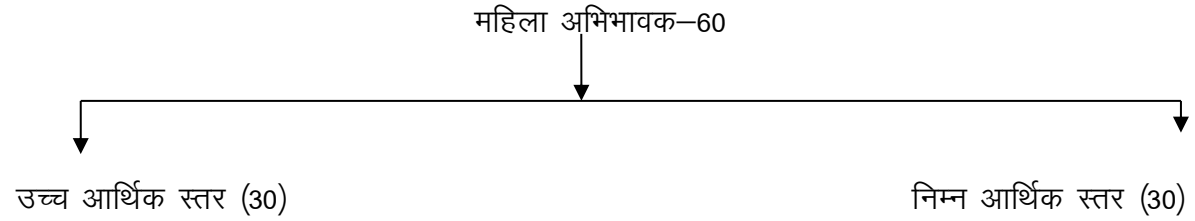

5. शोध उपकरण(Research Tool)

प्रस्तुत शोध हेतु निर्धारित उद्देश्य की पूति हेतु प्रयुक्त उपकरण इस प्रकार है–

यौन/सैक्स शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति जानने हेतु **डा0 ऊषा मिश्रा द्वारा निर्मित 'स्टीटयूड स्केल टूवार्ड्स सैक्स एजुकेशन' (Attitude Scale Towards Sex Education)** नामक परीक्षण का प्रयोग किया गया।

6. प्रदत्त संग्रह (Data Collection)– प्रस्तुत शोध में प्रदत्त संकलन हेतु सर्वेक्षण की विश्लेषणात्मक विधि का प्रयोग किया गया।।

7. फलांकन (Scoring)–

उक्त अभिवृत्ति मापनी को पुरूष एवं महिला अभिभावकों पर प्रशासित कर उनकी प्रतिक्रियाओं के आधार पर प्राप्तांक प्राप्त किए जिससे अभिवृत्ति का वर्गीकरण किया जा सके। प्राप्तांकों के आधार पर अभिवृत्ति सारणी–2 में प्रदर्शित है–

सारणी–2

प्राप्तांकों के आधार पर अभिवृत्ति का वर्गीकरण

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 01 | January – March 2018

क्र0 सं0	प्राप्तांक	अभिवृत्ति का स्तर
1	120–129 तथा 129 से अधिक	यौन शिक्षा के प्रति उति उच्च अभिवृत्ति
2	100–119	यौन शिक्षा के प्रति उच्च अभिवृत्ति
3	70–99	यौन शिक्षा के प्रति तटस्थ अभिवृत्ति
4	50–69	यौन शिक्षा के प्रति निम्न अभिवृत्ति
5	40–49 तथा 40 से कम	यौन शिक्षा के प्रति अति निम्न अभिवृत्ति

उक्त अभिवृत्ति मापनी में प्रत्येक पद के फलांकन हेतु 'लिकर्ट तकनीक' का प्रयोग किया गया। मापनी के कथन सकारात्मक व नकारात्मक दो श्रेणियों में विभाजित थे तथा इसके फलांकन हेतु पाँच बिन्दु निर्धारण मापनी प्रयोग में लायी गयी।

8. प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ (Use Statistical Techniques)

प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ इस प्रकार है–

1. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति सम्बन्धी प्रदत्तों का विश्लेषण अभिवृत्ति के आधार पर ऊषा मिश्रा द्वारा निर्धारित मानकों की सहायता से किया गया।
2. यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति के तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान(Mean), मानक विचलन (Standard Deviation) तथा काई स्क्वायर (X^2) का प्रयोग किया गया।

(a) $M = \frac{\sum fx}{N}$ (b) $S.D. = \sqrt{\frac{\sum fd^2}{N} - \left(\frac{\sum fd}{N}\right)^2} \times c.i$

(c) $X^2 = \frac{N(AD-BC)^2}{(A+B)(C+D)(A+C)(B+D)}$ (2×2 आसंग सारणी से काई वर्ग की गणना)

3. **सार्थकता–स्तर –** प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं का परीक्षण 0.05 तथा 0.01 स्तरों पर किया गया है।

9. प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या (Analysis and Interpretation of Data)–

प्रयुक्त विधियों एवं प्रविधियों के अनुसार संकलित आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं उसके परिणामों का आँकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेक्षण एवं उसके परिणामों का आँकलन इस प्रकार है–

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 01 | January – March 2018

1. प्रस्तुत अध्ययन का पहला उद्देश्य यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्यन करना प्रस्तावित था। इसकी सांख्यिकीय गणना सारणी–2 में प्रस्तुत है–

सारणी–2

यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति आर्थिक स्तर की आधारित तुलना

यौन शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	क्षेत्र	अभिभावकों की संख्या (60)	अभिवृत्तियों का स्तर	मध्यमान	मानक विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	'टी' प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
पुरूष अभीभावक	उच्च	30	अति उच्च अभिवृत्ति	119.25	9.05	2.097	3.05	0.01 स्तर पर सार्थक अन्तर
	निम्न	30	उच्च अभिवृत्ति	112.85	7.07			

अपेक्षित 'टी' का मान– 0.05 स्तर पर 1.96

0.01 स्तर पर 2.58

सारणी–2 के प्रेक्षण से स्पष्ट है कि उव्च्च तथा निम्न आर्थिक स्तर के पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति के मध्यमानों में प्राप्त अन्तर की सार्थकता हेतु आगणित 'टी– मान 3.05 प्राप्त हुआ जो 0.01 सार्थक स्तर पर सारणीकृत मान 2.58 से अधिक है। अतः उच्च तथा निम्न आर्थिक स्तर के पुरूष अभिभावकों में आर्थिक स्तर के आधार पर सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ। निष्कर्षतः यौन शिक्षा के प्रति पुरूष अभिभावकों की अभिवृत्ति सम्बन्धी शोध परिकल्पना–1 स्वीकृत नहीं हुयी।

2. प्रस्तुत अध्ययन का दूसरा उद्देश्य यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। इसकी सांख्यिकीय गणना सारणी–3 में प्रस्तुत है–

सारणी–3

यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति की आर्थिक स्तर आधारित तुलना

यौन शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति	क्षेत्र	अभिभावकों की संख्या (60)	अभिवृत्ति का स्तर	मध्यमान	मानक विचलन	प्रमाणिक त्रुटि	'टी' प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
महिला अभिभावक	उच्च	30	उच्च अभिवृत्ति	112.2	9.07	4.45	0.74	सार्थक अन्तर नहीं
	निम्न	30	उच्च अभिवृत्ति	108.9	7.16			

अपेक्षित 'टी' का मान– 0.05 स्तर पर 1.96

UGC Approved Journal
© UNIVERSAL RESEARCH REPORTS | REFEREED | PEER REVIEWED
ISSN : 2348 - 5612 | Volume : 05 , Issue : 01 | January – March 2018

0.01 स्तर पर 2.58

सारणी–3 के अनुशीलन से स्पष्ट है कि उच्च तथा निम्न आर्थिक स्तर की महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति के मध्यमानों में प्राप्त अन्तर की सार्थकता हेतु आगणित 'टी– मान 0.74 प्राप्त हुआ। यह 'टी' मान अपेक्षित सारणीकृत मान नहीं कम है अतः उच्च तथा निम्न आर्थिक स्तर की महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में आर्थिक स्तर के आधार पर सार्थक अन्तर प्राप्त नहीं हुआ। निष्कर्षतः यौन शिक्षा के प्रति महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति सम्बन्धी शोध परिकल्पना–2 स्वीकृत हुई।

3. प्रस्तुत अध्ययन का तीसरा उद्देश्य यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर आधार पर तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। इसकी सांख्यिकीय गणना सारणी–4 में प्रस्तुत है–

सारणी–4

यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति का आर्थिक स्तर के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन

आर्थिक स्तर	अभिभावक	कुल संख्या (120)	मध्यमान	X^2 का मान	सार्थकता स्तर
उच्च	पुरूष अभिभावक	30	119.25	1.43	सार्थक अन्तर नहीं
	महिला अभिभावक	30	112.2		
निम्न	पुरूष अभिभावक	30	112.85		
	महिला अभिभावक	30	108.9		

अपेक्षित 'X^2' का मान– 0.05 स्तर पर 3.84

0.01 स्तर पर 6.64

सारणी–4 के अनुशीलन से स्पष्ट है कि यौन शिक्षा के प्रति पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति की तुलनात्मक सांख्यिकीय गणना करने पर X^2 का मान 1.43 प्राप्त हुआ जो X^2 के अपेक्षित सारणीकृत मान से कम है अतः यौन शिक्षा के प्रति उच्च एवं निम्न आर्थिक स्तर के पुरूष एवं महिला अभिभावकों की अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर प्राप्त नही हुआ। इस आधार पर परिकल्पना 3 स्वीकृत हुयी।

10. शैक्षिक निहितार्थ (Educational Implection): उक्त विषय के परिणाम पुरूष एवं महिला अभिभावकों के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते है। अभिभावक, चाहे वह उच्च आर्थिक स्तर का हो अथवा निम्न आर्थिक स्तर का यदि वह यौन शिक्षा के महत्व को भली भॉति रूप से समझेगे तो यौन शिक्षा के प्रति अपनी संकुचित विचारधारा का परित्याग सफलतापूर्वक कर सकेगे।

वर्तमान समय में यौन सम्बन्धी अपराधो की अधिकता को देखते हुए यह अति आवश्यक है कि अभिभावक अपने किशोर व किशोरियों से यौन शिक्षा के सम्बन्ध में खुलकर चर्चा करें ताकि वे अपने बच्चों की उक्त विषय सम्बन्धी भ्रान्तियों का सरलतापूर्वक समाधान कर सकें।

REFERENCES

1. Angadi., G.R. (2011), 'Adolescent Children's Parental Attitude Towards Sex Education.' *International Referred Research Journal* 3 (25) : 22-24. Retrieved from http://www.ssmrae.com. Accessed on 09/06/15.
2. Bcnzaken, Tumi; Palep, Ashutosh. H. and Gill, Paramjt S. (2011), 'Exposure to and Opinion Towards Sex Education Among Adolescent Student in Mumbai : A Cross-Sectional Survey' *BMC Public Health, 11v* Retrieved from http://www.krepublishers.com Accessed on 21/05/15.
3. Best, John W. & Kahn, James V. (1986), *Research hi Education.* New Delhi: Percentile Hall of India Private Limited.
4. E., Eko Jimmy et.al. (2013). 'Perception of Students' Teachers and Parents' Towards Sexuality Education in Calabar South Local Government Area of Cross River State, Nigeria.' *Journal of Sociological Research* 4 (2) : 225-240. Retrieved from http://www.macrothink.org. Accessed on 11/06/15.
5. Mahajan, Payal & Sharma, Neeru (2005). 'Parents Attitude Towards Imparting Sex Education to their Adolescent girls.' *Anthropologist,* 7(3) : 197-199. Retrieved from http://vvww.krepublishers.com. Accessed on 08/06/15.
6. O, Ogunjimi L. (2006), 'Attitude of Students and Parents Towards the Teaching of Sex Education in Secondary schools in Cross Rivers State.' *Educational Research and Review,* 1 (9) : 347-349. Retrieved from http://wwwacademicjournals.org/ERR. Accessed on 01/06/15.
7. Sixth survey of educational Research (1993-2000) I, New Delhi : National Council of Educational Research and Training.
8. Vashistha, K.C. & Rajshree (2012), 'A study of Attitude Towards Sex-Education Pereceived by Parents & Teachers.' *Samvaad : e-jounraI* 1 (2) : 63-74. Retrieved from www.samvaad.e-journaldialogl.webs.com. Accessed on 05/06/15.

9. Wanyonyi, Hellen Sitawa (2014), 'Youth Sexual Behaviour and Sex Education.' *International Journal of Education and Research,* 2 (3) : 1-14. Retrieved from http://www.ijern.com. Accessed on 09/06/15.

10. Weaver, Angela D. et.aL (2002), 'Sexual Health Education at School and at Home: Attitudes and Experiences of New Brunswick Parents.' *The Canadian Journal of Human Sexuality 11(1):*19-31. Retrieved from http://www.sexualityandu.ca. Accessed on 10/06/15.